दिनांक	दो बकरियाँ	दिवस- 38

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को हाव–भाव के साथ कहानी सुनाएँ एवं विद्यार्थियों को भी कहानी सुनाने का अवसर दें। साथ ही साथ कहानी के आधार पर बातचीत करें।

जंगल में एक नाला था। नाले के पास दो बकरियाँ रहती थीं–काली और भूरी। नाले के किनारे हरी–हरी घास लगी थी। दोनों बकरियाँ रोज़ वहाँ घास चरने जाती थीं।

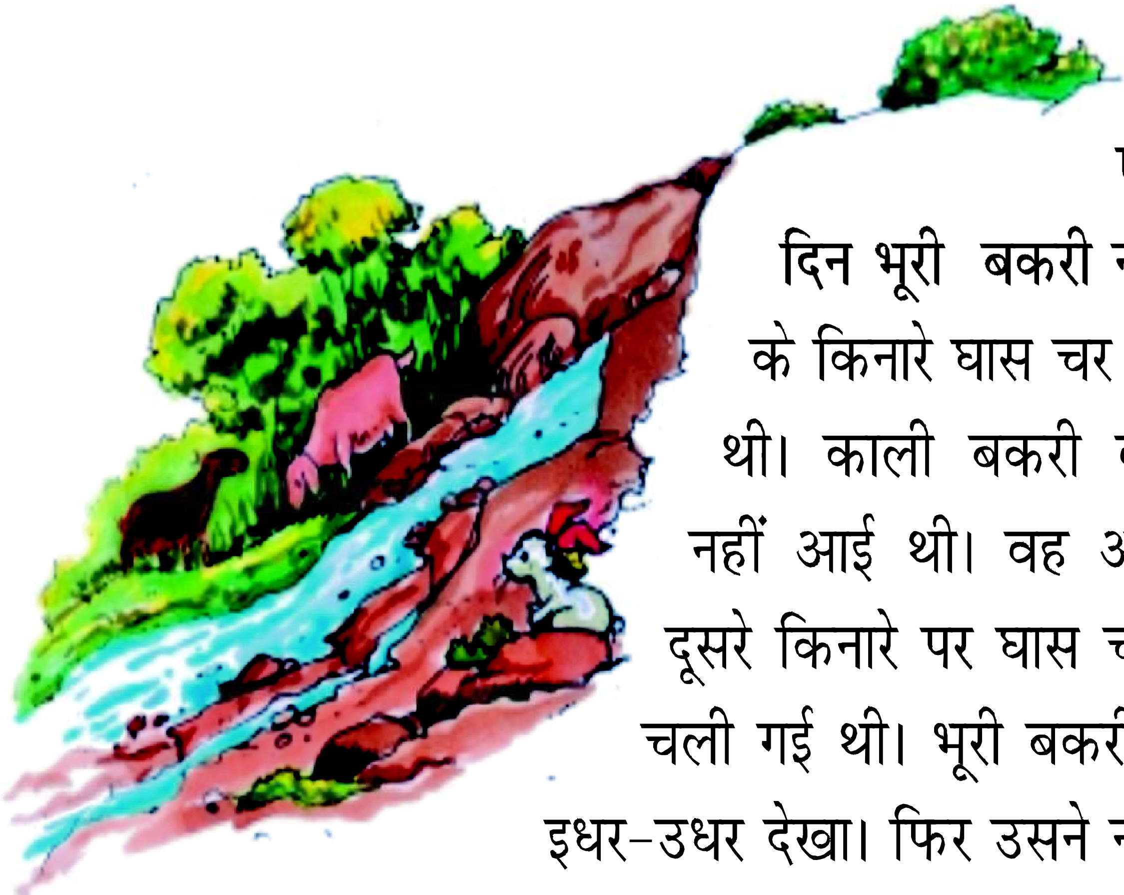

एक दिन भूरी बकरी नाले के किनारे घास चर रही थी। काली बकरी वहाँ नहीं आई थी। वह आज दूसरे किनारे पर घास चरने चली गई थी। भूरी बकरी ने इधर–उधर देखा। फिर उसने नाले की दूसरी तरफ देखा।

बकरी ने सोचा – उस किनारे की घास का रंग कितना हरा है! वह घास नरम भी होगी। क्यों न उस किनारे चलूँ!

नाला गहरा था। भूरी बकरी किनारे–किनारे चलने लगी।

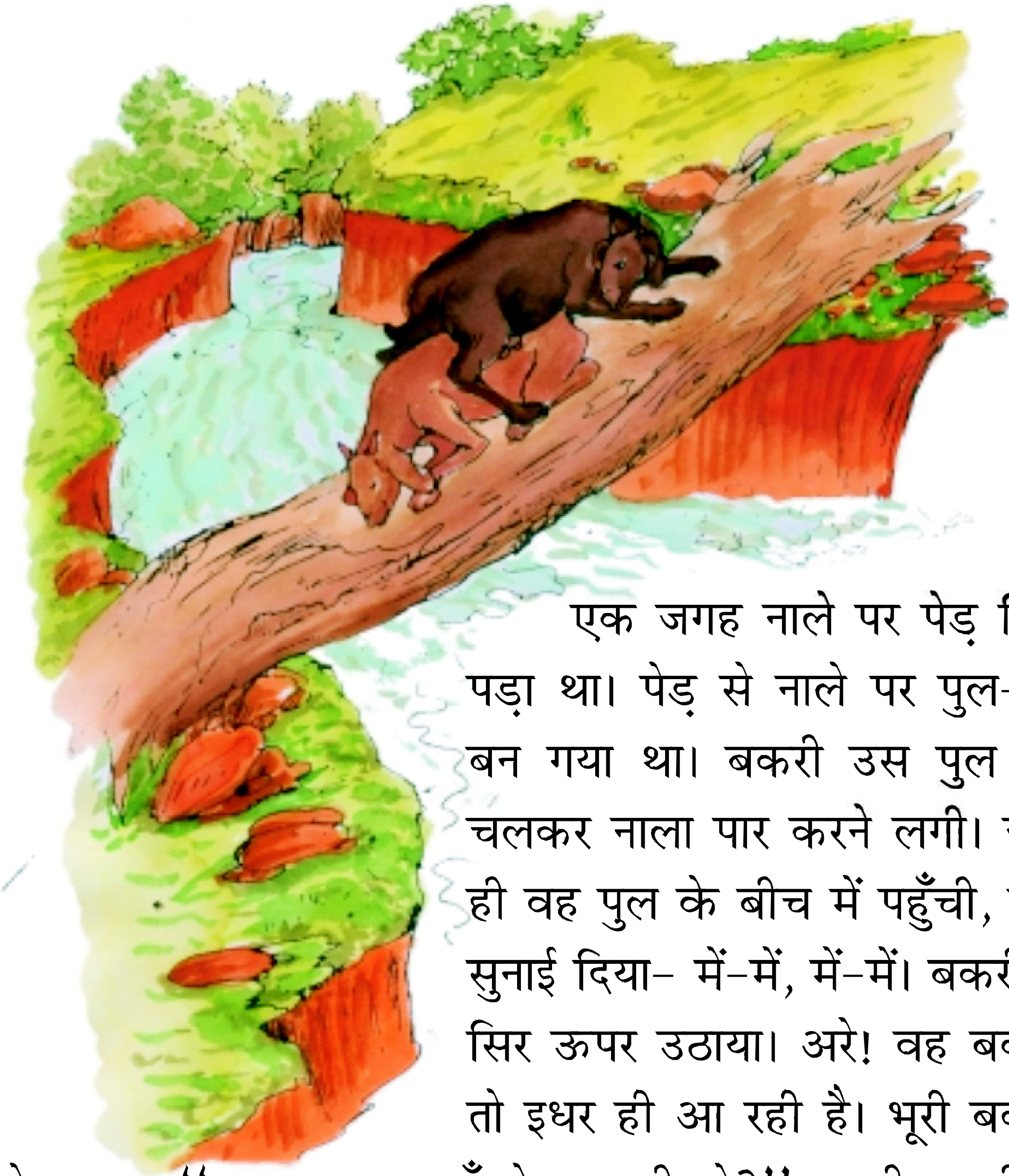

एक जगह नाले पर पेड़ गिरा पड़ा था। पेड़ से नाले पर पुल–सा बन गया था। बकरी उस पुल पर चलकर नाला पार करने लगी। जैसे ही वह पुल के बीच में पहुँची, उसे सुनाई दिया– में–में, में–में। बकरी ने सिर ऊपर उठाया। अरे! वह बकरी तो इधर ही आ रही है। भूरी बकरी ने पूछा – ''बहन, तुम कहाँ से आ रही हो?'' काली बकरी ने कहा – ''मैं उस किनारे गई थी। अब वापस जा रही हूँ।'' भूरी बकरी बोली– ''बहन, यह पुल बहुत तंग है। इस पुल से तो हम दोनों साथ–साथ निकल नहीं सकतीं। अब क्या करें?''

काली बकरी कुछ सोचने लगी। फिर बोली– ''मैं पुल पर बैठ जाती हूँ। तुम मेरे ऊपर से निकल जाओ।''

भूरी बकरी झट से बोली– ''नहीं–नहीं! मैं बैठ जाती हूँ। तुम पहले निकल जाओ।'' भूरी बकरी पुल पर नीचे बैठ गई।

काली बकरी ने धीरे–धीरे पाँव उठाए। उसने पाँव भूरी बकरी पर रखे। फिर वह दूसरी तरफ कूद गई। भूरी बकरी उठ खड़ी हुई। वह भी नाले के दूसरे किनारे चली गई। में..में ....दोनों बहुत खुश थीं।

दिनांक

दो बकरियाँ

दिवस- 39

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से बकरी के रंग–रूप, भोजन, आवास एवं उसके अंगों पर बातचीत करें।

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) बकरी किन–किन रंगों की होती है ?

(ख) बकरी क्या–क्या खाती है ?

चित्र में रंग भरिए और बकरी के अंगों के नाम लिखिए–

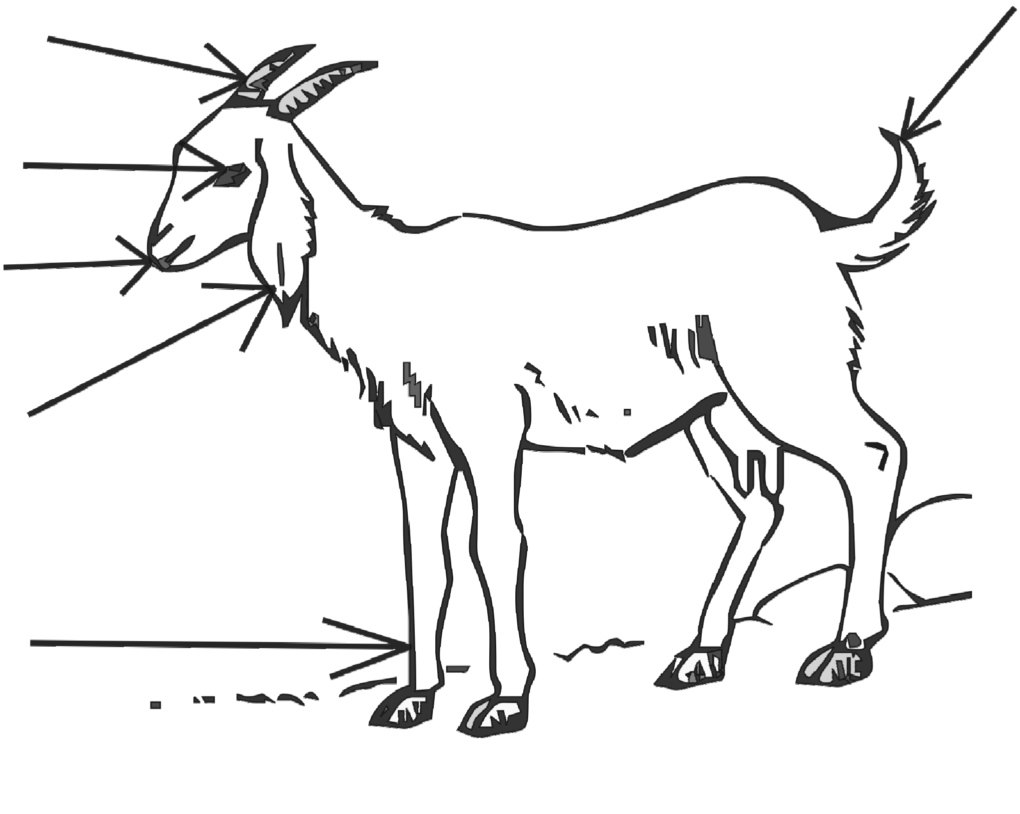

दिनांक

दो बकरियाँ

दिवस- 40

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को बकरी, लकड़ी, नदी, मूली, नाली आदि शब्दों की सहायता से वचन की समझ दें तथा बोर्ड के पास बुलाकर वचन की जोड़ी बनवाइएँ।

पक्षियों/चिड़ियों के नाम लिखिए–

मिलान कीजिए–

बकरी	नालियाँ
लकड़ी	लकड़ियाँ
नदी	मूलियाँ
मूली	बकरियाँ
नाली	नदियाँ

चित्र में रंग भरिए–

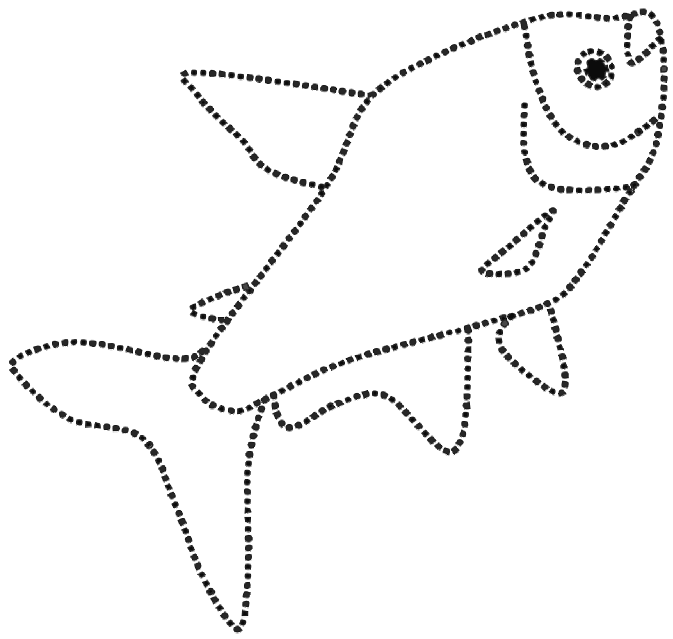

दिनांक

दो बकरियाँ

दिवस- 41

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को रंगों के उपयोग तथा अलग–अलग रंगों की वस्तुओं के बारे में बताएँ तथा बोर्ड के पास बुलाकर अपने पसंद के रंग का नाम तथा उस रंग की किसी एक वस्तु का नाम बताने को कहें।

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) घास का रंग कैसा होता है?

(ख) कौन–कौन से जानवर घास खाते हैं?

(ग) बकरी नाले के किनारे क्या करने जाती है?

रंग मिलान कीजिए–

तोता	काला
कौआ	उजला
मैना	हरा
बगुला	चितकबरी
बकरी	भूरी

चित्रों में रंग भरिए–

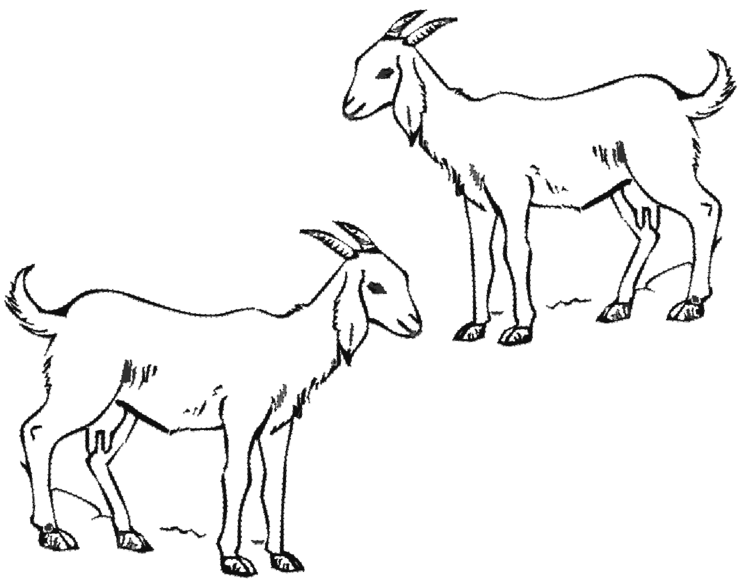

दिनांक	# दो बकरियाँ	दिवस- 42

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को उजली, दिन, मोटा, अच्छा, साफ आदि शब्दों की सहायता से विलोम शब्द की समझ दें।

दिए गए शब्दों के उल्टे अर्थ वाले शब्द लिखिए–

उजली – काली ....

दिन – ....

मोटा – ....

अच्छा – ....

साफ – ....

सही शब्दों से खाली स्थान को भरिए–

कपड़े	काले–काले	
पेड़	हरी–हरी	
फल	मोटे–मोटे	
बादल	मीठे–मीठे	
घास	नए–नए	

समान लय वाले शब्दों को मिलाइए–

राजा	बात	देर	दानी
रानी	बाजा	मात	ढेर
बेर	नानी	ताजा	सात
रात	शेर	पानी	खाजा

दिनांक

दो बकरियाँ

दिवस- 43

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों से जानवरों के नाम तथा विलोम शब्द का पुनरावर्त्तन करवाएँ।

नीचे दिए गए अक्षर–जाल में से जानवरों के नाम छाँटकर लिखिए–

रा	सि	क	ग	ची	ता	ण
बा	या	सि	त	प	नी	री
हि	र	ण	य	ल	ल	छ
ना	ही	वी	ब	रू	गा	त
लो	म	ड़ी	क	फ	य	बं
स	ख	क्ष	री	ख	च	द
शे	र	ब	ग	लं	गू	र
अ	गो	णा	द	नं	श	न
म	श	ल	हा	थी	घ	ध

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

चित्र देखकर नाम लिखिए–

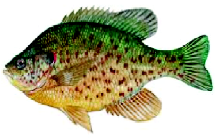

मछली
....

मछलियाँ
....

....

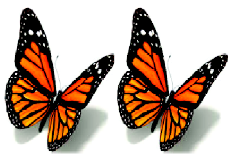

....

....

....

दिनांक

दो बकरियाँ

दिवस- 44

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को पेड़ों के उपयोग पर बातचीत करें तथा पेड़, पानी, आसमान, सूर्य, पहाड़ आदि शब्दों की सहायता से पर्यायवाची शब्द की समझ दें।

पेड़ों के क्या–क्या उपयोग हैं?

अपने आसपास नजर आने वाले पेड़ों के नाम लिखिए–

पर्यायवाची शब्दों का मिलान कीजिए–

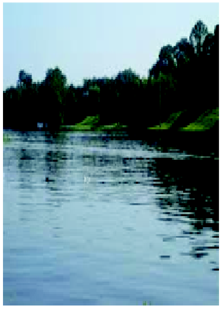
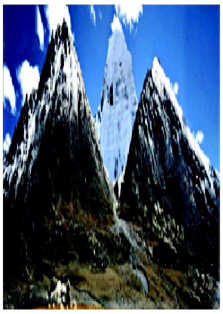
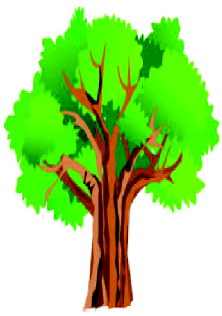
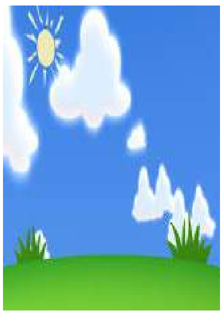

पानी	सूरज	पेड़	पर्वत	आकाश
सूर्य	पहाड़	जल	आसमान	गाछ

दिनांक

दो बकरियाँ

दिवस- 45

शिक्षण–निर्देश :

विद्यार्थियों को प्रश्नोत्तरी द्वारा कहानी का अंत सुनाएँ।

प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) काली बकरी ने पुल पर बैठने की बात क्यों कही?

(ख) आपने किस–किस तरह का पुल देखा है, लिखिए–

(ग) नाले पर पुल कैसे बन गया?

सही शब्दों की सहायता से खाली स्थान भरिए–

(क) जंगल में एक .... था। (नाला/नदी)

(ख) दो बकरियों का रंग .... था। काला और भूरा/हरा और नीला

(ग) दोनों बकरियाँ रोज .... चरने आती थी। (पत्ता/घास)

(घ) घास का रंग .... था। (हरा/काला)

(ङ) नाला .... था। (गहरा/ऊँचा)

दिनांक

दो बकरियाँ

दिवस- 46

शिक्षण–निर्देश :

कहानी के आधार पर जानवरों के आवाज की समझ दें तथा प्रत्येक विद्यार्थी को बोर्ड के पास बुलाकर बकरी के बारें में एक वाक्य बोलने को कहें।

जानवरों के आवाज को लिखिए–

(क) बकरी – में–में

(ख) बिल्ली – ....

(ग) कबूतर – ....

(घ) चिड़ियाँ – ....

(ङ) मुर्गा – ....

इस कहानी के अनुसार कौन कैसा है ? रेखा खींचकर मिलाइए–

नाला	घना
घास	लंबा
पेड़	गहरा
बकरी	हरी
पुल	काली

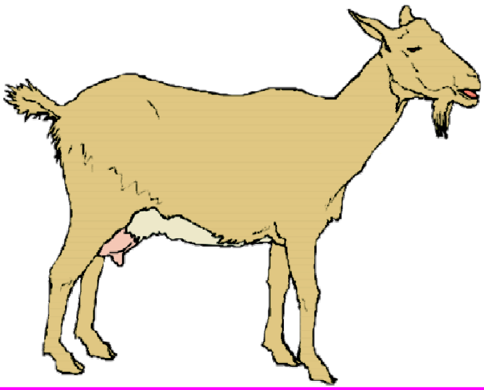

दिए गए चित्र के बारे में लिखिए–